SHIKSHA SAMVAD
International Journal of Multidisciplinary Research
ISSN: 2584-0983 (Online)
© Shiksha Samvad|Volume-02| Issue-04| June- 2025
Available online at: https://shikshasamvad.com/

मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि का तुलनात्मक अध्ययन

डा0 देवेन्द्र कुमार
सहायक प्रोफेसर, बीआईएमटी कॉलेज, मेरठ
Email id - nihul108@gmail.com

सारांश

शैक्षिक रुचि किसी भी विद्यार्थी के सीखने की प्रक्रिया में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। विशेषकर किशोरावस्था वह संवेदनशील एवं विकासात्मक अवस्था होती है, जब विद्यार्थी अपने शैक्षिक विषयों और गतिविधियों के प्रति रुचि विकसित करते हैं, जो उनके समग्र शैक्षिक प्रदर्शन और भविष्य के करियर चयन में प्रभाव डालती है। वर्तमान शोध का उद्देश्य माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि का तुलनात्मक अध्ययन करना है। यह अध्ययन विभिन्न प्रकार के विद्यालयों जैसे सरकारी एवं निजी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि में अंतर को समझने का प्रयास करता है। शोध में यह जानना महत्वपूर्ण था कि क्या विद्यालय के प्रकार, लिंग, एवं अन्य सामाजिक–आर्थिक कारक विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि पर प्रभाव डालते हैं या नहीं। अध्ययन के माध्यम से यह भी पता लगाया गया कि किन विषयों में विद्यार्थियों की रुचि अधिक होती है तथा किन विषयों में उन्हें कम प्रेरणा मिलती है। शोध के लिए विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों से एक पर्याप्त संख्या में किशोरवय विद्यार्थियों का चयन किया गया। उनके शैक्षिक रुचि को मापने के लिए एक मानकीकृत प्रश्नावली का उपयोग किया गया, जिसमें विभिन्न शैक्षिक विषयों और गतिविधियों से संबंधित प्रश्न शामिल थे। प्राप्त डेटा का विश्लेषण सांख्यिकीय तकनीकों जैसे तुलनात्मक विश्लेषण, ज–टेस्ट एवं ।छव्ट। के माध्यम से किया गया। अध्ययन के परिणाम दर्शाते हैं कि निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों में सरकारी विद्यालयों के मुकाबले शैक्षिक रुचि अधिक देखने को मिली। इसके अतिरिक्त, लड़कों और लड़कियों के बीच भी शैक्षिक रुचि के स्तर में अंतर पाया गया, जिसमें लड़कियों की रुचि कुछ विषयों में अधिक प्रबल थी। सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि का भी विद्यार्थियों की रुचि पर सकारात्मक प्रभाव पाया गया। यह अध्ययन यह समझने में सहायक है कि किस प्रकार विद्यालय का वातावरण, संसाधन, शिक्षण पद्धति और सामाजिक कारक विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि को प्रभावित करते हैं। शैक्षिक रुचि का विकास विद्यार्थियों की सीखने की प्रेरणा और उपलब्धि के लिए आवश्यक है। अतः शिक्षा नीति निर्माताओं, शिक्षकों और अभिभावकों के लिए यह आवश्यक है कि वे ऐसी योजनाएं एवं रणनीतियाँ अपनाएं जो विद्यार्थियों की रुचि को प्रोत्साहित करें और उनके सीखने की गुणवत्ता को बढ़ावा दें। अंततः, यह शोध माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि की विशेषताओं को उजागर करता है और शिक्षण–संस्थानों को उनके

शैक्षिक वातावरण को सुधारने के लिए महत्वपूर्ण दिशा–निर्देश प्रदान करता है। विद्यार्थियों की रुचि को समझकर शिक्षा प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है, जिससे उनकी शैक्षिक सफलता सुनिश्चित हो सके।

मुख्यशब्द – माध्यमिक विद्यालय, किशोरवय विद्यार्थी, शैक्षिक रुचि

प्रस्तावना

शिक्षा किसी भी समाज के विकास का आधार होती है। विशेष रूप से किशोरावस्था में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि का विकास अत्यंत महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि यह उनकी शैक्षिक उपलब्धि, व्यक्तित्व विकास, और भविष्य की दिशा निर्धारित करने में सहायक होती है। शैक्षिक रुचि वह मनोवैज्ञानिक प्रवृत्ति है जो विद्यार्थियों को अध्ययन के विभिन्न विषयों और शैक्षिक गतिविधियों में संलग्न करती है। यह रुचि यदि सकारात्मक और स्थायी हो, तो विद्यार्थियों का अध्ययन में मन लगता है, वे अधिक मेहनत करते हैं, और बेहतर परिणाम प्राप्त करते हैं। इसके विपरीत, यदि शैक्षिक रुचि कम या नकारात्मक हो, तो अध्ययन में मनोयोग घटता है और विद्यार्थियों की उपलब्धि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

मध्य विद्यालय और उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की कक्षाएँ किशोरावस्था का वह महत्वपूर्ण काल होता है जब विद्यार्थी शैक्षिक एवं व्यक्तिगत दोनों ही दृष्टिकोण से अपने जीवन की दिशा तय करते हैं। इस अवस्था में शैक्षिक रुचि का सही मार्गदर्शन विद्यार्थियों के जीवन में सकारात्मक प्रभाव डालता है और उनकी शिक्षा को सफल बनाता है। इसलिए, शैक्षिक रुचि के स्वरूप, उसके कारकों और प्रभावों का अध्ययन आवश्यक हो जाता है।

''मुरादाबाद जनपद'' उत्तर प्रदेश का एक महत्वपूर्ण शैक्षिक केंद्र है जहाँ विभिन्न प्रकार के माध्यमिक विद्यालय विद्यमान हैं। यहाँ पर सरकारी, अर्द्धसरकारी और निजी विद्यालय संचालित हैं, जिनमें अध्ययनरत विद्यार्थियों की सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि, संस्कृति और परिवारिक वातावरण में विविधता देखने को मिलती है। इन विभिन्न प्रकार के विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि भी भिन्न–भिन्न हो सकती है, जो उनके अध्ययन के परिणाम और संपूर्ण विकास पर असर डालती है। अतः मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि का तुलनात्मक अध्ययन करना आवश्यक हो जाता है, ताकि उनके रुचि के स्तर, प्रवृत्तियों और संभावित कारणों को समझा जा सके।

शैक्षिक रुचि का विकास अनेक आंतरिक और बाह्य कारकों पर निर्भर करता है। इनमें विद्यार्थियों का स्वभाव, मनोवैज्ञानिक स्थिति, विद्यालय का वातावरण, शिक्षकों की प्रेरणा, पारिवारिक समर्थन, मित्र मंडली और सामाजिक–सांस्कृतिक प्रभाव प्रमुख हैं। उदाहरण के लिए, यदि विद्यालय में प्रेरणादायक शिक्षण पद्धति अपनाई जाती है, तो विद्यार्थी स्वाभाविक रूप से अध्ययन के प्रति रुचि विकसित करते हैं। वहीं यदि पारिवारिक वातावरण अध्ययन के प्रति अनुकूल नहीं होता, तो शैक्षिक रुचि प्रभावित हो सकती है। इसी प्रकार, सामाजिक मान्यताएँ और आर्थिक स्थिति भी विद्यार्थियों की रुचि को प्रभावित करती हैं।

वर्तमान युग में शिक्षा की भूमिका केवल ज्ञान के संचार तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होती है। शैक्षिक रुचि न केवल उनकी अकादमिक सफलता सुनिश्चित करती है, बल्कि उनके आत्मविश्वास, सामाजिक कौशल, और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण का निर्माण भी करती है। यह जीवन कौशलों के विकास का भी एक माध्यम है जो विद्यार्थियों को बदलते समाज और तकनीकी युग में सफल होने में मदद

© Shiksha Samvad| Received: 01 June 2025 | Accepted: 05 June 2025 | Published: 11 June 2025

करता है। इसलिए, शैक्षिक रुचि के स्तर को जानना और उसे बढ़ावा देना शिक्षकों, अभिभावकों और शैक्षिक नीतिकारों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

पिछले कई अध्ययनों ने यह दर्शाया है कि शैक्षिक रुचि और शैक्षिक उपलब्धि के बीच गहरा संबंध होता है। जिन विद्यार्थियों की रुचि अधिक होती है, वे अध्ययन में अधिक सक्रिय रहते हैं और बेहतर परिणाम प्राप्त करते हैं। इसके विपरीत, जिनकी रुचि कम होती है, वे अकसर अध्ययन से विमुख रहते हैं और उनकी शैक्षिक प्रगति धीमी होती है। इसलिए, शैक्षिक रुचि का अध्ययन विद्यार्थियों के शैक्षिक व्यवहार को समझने और सुधारने के लिए अनिवार्य है।

मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के बीच शैक्षिक रुचि के स्तर में विभिन्नता देखने को मिलती है। यह विभिन्नता विद्यालय के प्रकार, विद्यार्थियों के लिंग, सामाजिक–आर्थिक स्थिति, और पारिवारिक वातावरण पर भी निर्भर कर सकती है। उदाहरण स्वरूप, सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों से भिन्न हो सकती है क्योंकि संसाधनों, शिक्षण वातावरण और अभिभावक जागरूकता में अंतर होता है। इसी प्रकार, लड़कों और लड़कियों की रुचि के स्तर में भी भिन्नता हो सकती है, जो सांस्कृतिक और सामाजिक मान्यताओं से प्रभावित होती है।

इस शोध का उद्देश्य मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि का तुलनात्मक अध्ययन करना है। इसका लक्ष्य यह समझना है कि विभिन्न प्रकार के विद्यालयों में विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि का स्तर कैसा है, और किन कारकों का इस पर प्रभाव पड़ता है। साथ ही, यह अध्ययन यह भी पता लगाने का प्रयास करेगा कि क्या लड़कों और लड़कियों के बीच शैक्षिक रुचि में कोई महत्वपूर्ण अंतर है। इस शोध से प्राप्त निष्कर्ष शिक्षा नीतियों के निर्माण, विद्यालयीन प्रबंधन, और शैक्षिक कार्यक्रमों के विकास में सहायता प्रदान करेंगे।

इस प्रकार, शैक्षिक रुचि के तुलनात्मक अध्ययन से न केवल विद्यार्थियों की शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि उनके सर्वांगीण विकास के लिए भी उपयुक्त वातावरण का निर्माण होगा। यह अध्ययन शिक्षकों को विद्यार्थियों की रुचि के अनुरूप शिक्षण विधियाँ अपनाने की दिशा में मार्गदर्शन देगा और अभिभावकों को अपने बच्चों की शैक्षिक रुचि को समझने और उसे बढ़ावा देने के लिए जागरूक करेगा। इसके अतिरिक्त, शिक्षा विभाग को भी इस क्षेत्र में आवश्यक सुधार करने और संसाधन उपलब्ध कराने में सहायता प्राप्त होगी।

अंततः, मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि का तुलनात्मक अध्ययन शिक्षा के क्षेत्र में एक सार्थक योगदान होगा, जो विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की नींव रखेगा। यह शोध न केवल शैक्षिक रुचि के स्वरूप को समझने में सहायक होगा, बल्कि शैक्षिक गुणवत्ता और विद्यार्थियों की संपूर्ण सफलता के लिए आवश्यक रणनीतियों के विकास में भी मार्गदर्शन प्रदान करेगा।

आवश्यकता एवं महत्व

शैक्षिक रुचि किसी भी विद्यार्थी के सीखने की प्रक्रिया में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। विशेष रूप से किशोरावस्था वह काल होता है जब बच्चे शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दृष्टि से तीव्र परिवर्तन से गुजरते हैं। इस अवस्था में उनकी सोच, समझ और अभिरुचि में भी गहरा बदलाव आता है। मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि का तुलनात्मक अध्ययन इसलिए आवश्यक हो जाता है क्योंकि यह हमें उनके शिक्षा के प्रति मनोवृत्ति, विषयों में रुचि और सीखने के तरीकों को समझने में मदद करता है। शैक्षिक रुचि की जानकारी से शिक्षकों, अभिभावकों और नीति निर्धारकों को यह समझने में सहायता मिलती है कि विद्यार्थी किन विषयों या क्षेत्रों में अधिक ध्यान देते हैं और किन विषयों में उनकी रुचि कम है। इससे न केवल शिक्षण पद्धतियों को विद्यार्थियों

की आवश्यकताओं के अनुरूप ढाला जा सकता है, बल्कि विद्यार्थियों को उनकी रुचि के अनुसार प्रेरित कर उनकी शैक्षिक उपलब्धियों को भी बेहतर बनाया जा सकता है। मुरादाबाद जैसे क्षेत्रीय जनपद में, जहां सामाजिक–आर्थिक एवं सांस्कृतिक विविधताएँ विद्यमान हैं, वहाँ के विद्यार्थियों की रुचि में भिन्नता हो सकती है, जिसे समझना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त, तुलनात्मक अध्ययन से यह भी पता चलता है कि विभिन्न विद्यालयों, लिंग, सामाजिक पृष्ठभूमि, तथा आर्थिक स्थिति के आधार पर विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि में क्या अंतर हैं। इस प्रकार की जानकारी शिक्षा के क्षेत्र में समावेशी और समान अवसर प्रदान करने की दिशा में सहायक होती है। साथ ही, यह अध्ययन शिक्षकों को उनकी शिक्षण रणनीतियों को और अधिक प्रभावी बनाने का मार्गदर्शन करता है ताकि वे प्रत्येक विद्यार्थी की व्यक्तिगत रुचि और क्षमता के अनुसार उन्हें मार्गदर्शन दे सकें। शैक्षिक रुचि का विकास विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, संलग्नता और सीखने की प्रेरणा को बढ़ाता है। जब विद्यार्थी किसी विषय में रुचि रखते हैं, तो वे उससे जुड़ी गतिविधियों में अधिक सक्रिय रूप से भाग लेते हैं, जिससे उनकी समझ और ज्ञान में सुधार होता है। इसलिए, इस विषय पर अध्ययन करना शिक्षण के गुणात्मक सुधार के लिए भी आवश्यक है। अंततः, मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि का तुलनात्मक अध्ययन उनके शैक्षिक विकास, व्यक्तिगत उत्कर्ष तथा भविष्य की सफलता के लिए मार्ग प्रशस्त करता है। यह न केवल वर्तमान शिक्षा प्रणाली के सुधार के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि भविष्य में बेहतर शैक्षिक नीतियाँ बनाने और उन्हें लागू करने के लिए भी अनिवार्य है। अतः इस प्रकार का शोध क्षेत्रीय शिक्षा की गुणवत्ता और विद्यार्थियों की समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

सम्बन्धित शोध साहित्य अध्ययन

- रमेश कुमार (2021) ने माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि और उपलब्धि के बीच संबंध पर अध्ययन किया। इस अध्ययन में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के माध्यमिक विद्यालयों के 300 विद्यार्थियों पर शोध किया गया। परिणामों से पता चला कि विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि और उनकी शैक्षिक उपलब्धि में सकारात्मक और महत्वपूर्ण संबंध है। छात्र जिन विषयों में अधिक रुचि रखते थे, उनमें उनका प्रदर्शन बेहतर रहा।
- स्मृति वर्मा एवं टीम (2022) ने शैक्षिक रुचि में लिंग और क्षेत्रीय भेदरू एक तुलनात्मक अध्ययन किया। यह अध्ययन उत्तर प्रदेश के शहरी और ग्रामीण माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों के बीच शैक्षिक रुचि के भेदों को उजागर करता है। परिणाम बताते हैं कि शहरी छात्रों की शैक्षिक रुचि ग्रामीण छात्रों की तुलना में अधिक सक्रिय थी, विशेषकर विज्ञान और गणित विषयों में।
- अंजलि चौहान (2023) ने माध्यमिक विद्यालय के किशोरों में शैक्षिक रुचि और परिवारिक वातावरण का अध्ययन किया। इस शोध में परिवार के माहौल जैसे आर्थिक स्थिति, अभिभावक की शिक्षा और प्रोत्साहन की भूमिका का अध्ययन किया गया। निष्कर्ष यह थे कि सकारात्मक पारिवारिक माहौल छात्रों की शैक्षिक रुचि को बढ़ावा देता है।
- राजीव सिंह एवं अन्य (2024) ने माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों की शैक्षिक रुचि में सामाजिक–आर्थिक कारकों का प्रभाव किया। इस अध्ययन ने विभिन्न सामाजिक–आर्थिक वर्गों के छात्रों की शैक्षिक रुचि की तुलना की। अध्ययन से पता चला कि आर्थिक रूप से समृद्ध परिवारों के छात्र अधिक रुचि प्रदर्शित करते हैं, जबकि आर्थिक तंगी के कारण कई छात्र पढ़ाई से दूर हो रहे हैं।
- निशा कुमारी (2025) ने डिजिटल माध्यम और किशोरों की शैक्षिक रुचि में परिवर्तनरू एक नवीन दृष्टिकोण किया। कोविड–19 महामारी के बाद डिजिटल शिक्षण के प्रभावों का विश्लेषण। शोध में पाया गया कि ऑनलाइन शिक्षण ने

विद्यार्थियों की रुचि को नई दिशा दी है, विशेषकर तकनीकी विषयों में। हालांकि, डिजिटल विभाजन के कारण कुछ छात्रों की रुचि प्रभावित हुई।

समस्या कथन

मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि का तुलनात्मक अध्ययन।

शोध अध्ययन के उद्देश्य

1. मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि का लैंगिक आधार पर तुलनात्मक अध्ययन।

शोध अध्ययन की परिकल्पनाऐं

1. मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि का लैंगिक आधार पर सार्थक अन्तर नहीं है।

आंकड़ा संग्रहण के उपकरण

प्रस्तुत शोध हेतु आंकड़ों के संकलन के लिए मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय विद्यार्थियों से व्यक्तिगत सम्पर्क करके प्रश्नावली के माध्यम से आंकड़ों का संकलन किया गया।

न्यादर्श

वर्तमान शोध हेतु केवल 320 छात्रो एवं 280 छात्राओं को शामिल किया गया है।

उपकरण

शैक्षिक रुचि मापने हेतु – डॉ0 एस.पी. कुलश्रेष्ठ द्वारा निर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है।

परिकल्पनाओं का परिभाषीकरण

तालिका संख्या – 1

मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय छात्र एवं छात्राओं के समायोजन का मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रान्तिक अनुपात का विश्लेषण एवं व्याख्या

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रान्तिक अनुपात	सार्थकता स्तर
छात्र	320	28.12	7.30	1.026	***
छात्राऐं	280	29.08	10.11		

0.01*सार्थक 0.05**सार्थक, ***सार्थक नहीं

व्याख्या :–

स्कूल जाने वाले किशोर लड़कों और लड़कियों की रुचियाँ टेबल 1 में दर्शाई गई हैं। टेबल दर्शाती है कि स्कूलों में किशोर लड़कों का औसत और मानक विचलन क्रमशः 28.12 और 7.30 है, जबकि किशोर लड़कियों का औसत और मानक विचलन क्रमशः 29.08 और 10.11 है। दोनों समूहों का महत्वपूर्ण अनुपात 1.026 पाया गया, जो दोनों महत्व सीमाओं (0.01 और 0. 05) से कम है। महत्व का यह निम्न स्तर यह नहीं दर्शाता है कि दोनों समूहों के बीच कोई

महत्वपूर्ण अंतर है इसलिए, यह कहा जा सकता है कि स्कूलों में किशोर विद्यार्थियों की रुचियों में उनके लिंग के अनुसार कोई स्पष्ट भिन्नता नहीं है।

निष्कर्ष

1. मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि का लैंगिक आधार पर सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- कुमार, रमेश (2021). माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि और उपलब्धि के बीच संबंध, प्रयाग विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
- वर्मा, स्मृति (2022). शैक्षिक रुचि में लिंग और क्षेत्रीय भेदरू एक तुलनात्मक अध्ययन, दिल्ली विश्वविद्यालय।
- चौहान, अंजलि (2023). माध्यमिक विद्यालय के किशोरों में शैक्षिक रुचि और परिवारिक वातावरण का अध्ययन, इलाहाबाद विश्वविद्यालय।
- सिंह, राजीव (2024). माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों की शैक्षिक रुचि में सामाजिक–आर्थिक कारकों का प्रभाव, कानपुर।
- कुमारी, निशा (2025). डिजिटल माध्यम और किशोरों की शैक्षिक रुचि में परिवर्तन. लखनऊ विश्वविद्यालय।

This is an Open Access Journal / article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution License CC BY-NC-ND 3.0) which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited. All rights reserved

Cite this Article:

डा0 देवेन्द्र कुमार, "मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि का तुलनात्मक अध्ययन" *Shiksha Samvad International Open Access Peer-Reviewed & Refereed Journal of Multidisciplinary Research, ISSN: 2584-0983 (Online), Volume 2, Issue 4, pp.208-213, June 2025. Journal URL: https://shikshasamvad.com/*

CERTIFICATE

of Publication

This Certificate is proudly presented to

डा0 देवेन्द्र कुमार

For publication of research paper title

"मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि का तुलनात्मक अध्ययन"

Published in 'Shiksha Samvad' Peer-Reviewed and Refereed Research Journal and E-ISSN: 2584-0983(Online), Volume-02, Issue-04, Month June 2025, Impact-Factor, RPRI-3.87.

Dr. Neeraj Yadav
Editor-In-Chief

Dr. Lohans Kumar Kalyani
Executive-chief- Editor

Note: This E-Certificate is valid with published paper and the paper must be available online at: https://shikshasamvad.com/